

हैजा

अफ्रीकी देश हैजा रोग के टीके की कमी का सामना कर रहे हैं जिससे हैजा के मामलों में वृद्धि के कारण इस क्षेत्र में रोग के प्रकोप का खतरा बढ़ रहा है।

- वर्ष 2023 की शुरुआत से पाँच अफ्रीकी देशों में 687 मौतों सहित हैजा के 27,300 नए मामले सामने आए हैं।
- **वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने चेतावनी दी है कि **जलवायु परिवर्तन** की वजह से दुनिया भर में हैजा महामारी का प्रकोप बढ़ सकता है, क्योंकि बीमारी का कारण बनने वाले बैक्टीरिया गर्म जल में अधिक तेजी से प्रजनन कर सकते हैं।

हैजा:

- **परिचय:**
 - यह एक **जानलेवा संक्रामक रोग** तथा **सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये खतरा** है।
 - हैजा एक तीव्र, अतिसार की बीमारी है जो **वबिरियो कोलेरी जीवाणु** से आँत के संक्रमण के कारण होती है।
 - संक्रमण अक्सर हल्का या लक्षणों के बिना होता है, हालाँकि कभी-कभी गंभीर हो सकता है।
- **लक्षण:**
 - डायरिया
 - उल्टी
 - मांशपेशियों में ऐंठन
- **संक्रमण:**
 - **दूषित जल पीने या दूषित भोजन खाने** से व्यक्ति को हैजा हो सकता है।
 - सीवेज और पीने के जल के अपर्याप्त **उपचार वाले क्षेत्रों में रोग तेजी से फैल सकता है।**
- **वैक्सीन:**
 - वर्तमान में तीन WHO प्री-क्वालिफाइड **ओरल हैजा वैक्सीन (OCV), डुकोरल, शांचोल और यूवचोल-प्लस** हैं।
 - रोग से पूर्ण सुरक्षा के लिये तीनों वैक्सीन की दो खुराक की आवश्यकता होती है।

हैजा रोग पर अंकुश लगाने हेतु पहल:

- हैजा नयितरण पर एक वैश्विक रणनीति, **एंडगि हैजा**: इसे वर्ष 2030 तक के वैश्विक रोडमैप के साथ हैजा महामारी से होने वाली मौतों को 90% तक कम करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था।
- हैजा नयितरण के लिये **ग्लोबल टास्क फोर्स (Global Task Force for Cholera Control- GTFCC)** : WHO ने हैजा उन्मूलन में WHO के कार्यों को मजबूती प्रदान करने के लिये हैजा नयितरण हेतु ग्लोबल टास्क फोर्स (GTFCC) का पुनरोद्धार किया।
 - GTFCC का उद्देश्य हैजा नयितरण के लिये साक्ष्य-आधारित रणनीतियों के कार्यान्वयन में वृद्धि लाने हेतु सहयोग करना है।

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स